064

HD-03

June - Examination 2018

B.A. Pt. II Examination

हिंदी गद्य भाग –II (नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ)

Paper - HD-03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(i) नाटक के किन्हीं दो तत्वों का नाम लिखिए।

(ii) आत्मकथा किसे कहते हैं?

(iii) जयशंकर प्रसाद जी के किन्हीं दो नाटकों के नाम लिखिए।

(iv) 'उत्साह' निबन्ध में रामचन्द्रशुक्ल ने उत्साह की क्या परिभाषा दी है?

(v) 'अशोक के फूल' निबन्ध के रचयिता कौन हैं?

(vi) तुलसीदास की सामाजिक जिम्मेदारी का आशय संक्षिप्त में स्पष्ट कीजिए।

(vii) 'भोलाराम का जीव' किस साहित्यिक विधा की श्रेणी में आने वाली रचना है?

(viii) प्रेमचन्द की पत्नी शिवरानी देवी के चरित्र की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

(ix) 'घीसा' का पालतू पशुओं के प्रति प्रेम दर्शाने वाला उदाहरण बताइए।

(x) 'महाभारत की एक साँझ' नाटक के रचयिता (नाटककार) का क्या नाम है?

(खण्ड – ब) **4 × 10 = 40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) अन्य गद्य विद्याओं से क्या तात्पर्य है? गद्य विधा 'जीवनी' पर प्रकाश डालिए।

3) जयशंकर प्रसाद की नाट्यकृतियों की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

4) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में भारतीय नारी की स्थिति का चित्रण किस प्रकार हुआ है? स्पष्ट कीजिए।

5) ''नाखून क्यों बढ़ते है?'' निबन्ध का मूल प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

6) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''पहली तरह के आलोचक तुलसीदास को श्रद्धा की दृष्टि से हिन्दू धर्म का उद्धारक मानते हैं। दूसरी तरह के आलोचक उन्हें प्रतिक्रियावादी मानते हैं। उनकी कला का महत्व स्वीकार करते हुए भी उनकी विचारधारा को प्रगतिविरोधी मानते हैं।''

7) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''साहब ने कुटिल मुस्कान केसाथ कहा, मगर वजन चाहिए। आप समझे नहीं। जैसे आपकी यह सुन्दर वीणा है। इसका भी वजन भोलाराम की दरख्वास्त पर रखा जा सकता है।मेरी लड़की गाना बजाना सीखती है। यह मैं उसे दे दूँगा। साधु सन्तों की वीणा से तो अच्छे स्वर निकलते हैं।'

8) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''करकराते हैं वह झूठ जो आदमी बोला। वह बेइमानियाँ जो उसने की। वह छोटे बड़े अत्याचार जो उसने कभी इस बहाने, उस बहाने से अपने अन्तःकरण के ऊपर किए। करकराती है वह लिप्साऐं जो पूरी नहीं हुई। यहाँ तो वह सब कुछ नहीं। एक जिन्दगी मिली थी झीनी–झीनी बीनी एक चादर, जिसे कबीरदास ने जतन से ओढ़कर ज्यों की त्यों धर दिया था।''

9) 'आखिरी चट्टान तक' यात्रावृत्त में लेखक के निहित दृष्टिकोण पर प्रकाश डालिए।

(खण्ड – स) $2 \times 20 = 40$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) 'महाभारत की एक साँझ' एकांकी के शीर्षक का औचित्य सिद्ध करते हुए, मंचन की दृष्टि से इस एकांकी की सफलता पर प्रकाश डालिए।

11) 'तुलसी साहित्य के सामंत विरोधी मूल्य' में लेखक की प्रगति शील चेतना को सोदहरण उद्घाटित कीजिए।

12) ''भ्रष्टाचार ने मानवीय संवेदना और सहानुभूति को समाप्त कर दिया है।'' 'भोलाराम का जीव' कहानी के सन्दर्भ में इस कथन का विवेचन कीजिए।

13) टिप्पणी कीजिए। (प्रत्येक 5 अंक)

क) घीसा की चरित्रगत विशेषताएँ

ख) 'प्रेमचन्द की जीवनी : लमही में जन्म और मृत्यु' का प्रतिपाद्य

ग) ध्रुवस्वामिनी का चरित्र–चित्रण

घ) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' निबन्ध की भाषा–शैली।